[This question paper contains 2 printed pages

Sr. No. of Question Paper : 8884

Unique Paper Code : 12051401

Name of the Paper : Bhartiya Kavyashastra
(भारतीय काव्यशास्त्र)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (CBCS)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

भारतीय आचार्यों द्वारा निरूपित काव्य लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

(12)

2. रस के भेद बताते हुए शृंगार रस का विवेचन कीजिए।

अथवा

लक्षणा शब्द-णक्ति की परिभाषा देते हुए उसके विविध भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (12)

3. मुक्तक काव्य **अथवा** खण्ड काव्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (12)

4. (क) किन्हीं **तीन** अलंकारों के लक्षण उदाहरण लिखिए -

अनुप्रास, अतिशयोक्ति, उत्प्रेक्षा, श्लेष, वक्रोक्ति, रूपक

(3×3=9)

(ख) किन्हीं **तीन** छंदों के लक्षण-उदाहरण लिखिए -

दोहा, हरिगीतिका, शिखरिणी, चौपाई, द्रुतविलम्बित, कुंडलिया

(3×3=9)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (7×3=21)

(क) काव्य-हेतु

(ख) काव्य-प्रयोजन

(ग) माधुर्य गुण

(घ) अभिधा शब्द शक्ति

(ङ) विभावना और विशेषोक्ति में अंतर।